Title: Need to repair the National Highways in Bihar.

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सड़क परिवहन एवम् राज्यमार्ग मंत्री जी का ध्यान निम्नलिखित सड़कों की दुर्दशा एवम् टूटे हुए पुलों की ओर आकृट करना चाहता हूं।

एन.एच. संख्या 28 गोरखपुर-मुजफ्फरपुर वाया गोपालगंज सड़क जो गत बाढ़ में कोइनी से देवापुर गांव तक टूट गई थी, उसकी मरम्मत का कार्य अभी तक नहीं हुआ है।

एन.एच. संख्या 85 जो छपरा सिवान गोपालगंज की सड़क है, वह इस तरह से खराब है कि चलना मुश्किल हो गया है।

एन.एच. संख्या 104 चिकया मधुबन नयागांव शिवहर सीतामढ़ी की हालत मधुबन से सीतामढ़ी तक बुरी तरह खराब है। बागमती नदी के डुब्बा घाट में एस क्रू पाईल ब्रिज जो गत र्वा बाढ़ में टूट गया था, वह उसी तरह से पड़ा हुआ है। छोटी-बड़ी गाड़ियों का आना-जाना बंद है इसलिए उसका पुनर्निर्माण शीघ्र आवश्यक है। एन.एच. संख्या 77 मुजफ्फरपुर सीतामढ़ी सड़क जहां बुरी तरह से टूटी हुई है, वहीं कटौंझा का बागमती नदी का पुल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त है। इससे पूरा आवागमन ठप है।

अतः उपरोक्त सभी सड़कों एवम् पुलों के निर्माण करने हेतु मैं अनुरोध करता हूं।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह :अध्यक्ष महोदय, बिहार में 29 नये राट्रीय राजमार्ग हैं। लेकिन सारे के सारे नये राट्रीय राजमार्ग राट्रीय मानकों के आधार पर नहीं बनाए गये हैं, इसलिए उनकी बहुत बुरी दशा है। जो माननीय सदस्य वहां से आते-जाते हैं उन्हें बहुत तकलीफों का सामना करना पड़ता है। उन राट्रीय राजमार्गों को राज्य सरकारों के भारत सरकार से पैसा लेकर बनाना है। उनके लिए भारत सरकार से पैसा मिलना है। वहां से 482 करोड़ रुपये का प्रोजैक्ट बनकर आ गया है लेकिन भारत सरकार उस पर कोई कार्यवाही नहीं कर रही है और राज्य सरकार को राशि नहीं दे रही है। इसके कारण बिहार के 19 राट्रीय राजमार्गों की हालत बहुत खराब है। एनएच संख्या 77 तथा एनएच संख्या 80 से लेकर एनएच संख्या 104 तक की हालत बहुत खराब है। उनकी हालत पीडब्ल्यूडी की सड़कों की हालत से भी खराब है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि राट्रीय मानकों के हिसाब से उनके लिए राज्य सरकार को पर्याप्त राशि मुहैया करायी जाए जिससे इन राट्रीय राजमार्गों की हालत में सुधार हो सके।